कैंसर के इलाज में जीवन रक्षक बन सकता है ड्यूटेरियम डिप्लीटेड वॉटर

इंदौर। नईदुनिया रिपोर्टर

आज हम विश्व में सर्वाधिक 400 टन हैवी वॉटर प्रोड्यूज करते हैं। हाल ही में हमने ड्यूटेरियम डिप्लीटेड वॉटर (डीडीडब्ल्यू) को भारतीय कंपनियों को उपलब्ध कराने के लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट जारी किए हैं। ये कंपनियां इसे प्रोसेस कर बेच सकती हैं। डीडीडब्ल्यू कैंसर थैरेपी में जीवनरक्षक के रूप में काम आ सकता है। खासकर ब्रेस्ट कैंसर में यह प्रभावकारी है।

आरआरकेट में 'ओकल-2018' का समापन, हैवी वॉटर बोर्ड के चेयरमैन मुदाली ने स्टूडेंट्स को दिया गाइडेंस

यह बात हैवी वॉटर बोर्ड के चेयरमैन एंड चीफ एक्जीक्यूटिव डॉ यू. कमाची मुदाली ने आरआरकेट में शुक्रवार को ओरिएंटेशन कोर्स ऑन एक्सीलरेटर्स, लेजर्स एंड रिलेटेड साइंस एंड टेक्नोलॉजी (ओकल-2018) के समारोह के समापन अवसर पर कही। उन्होंने कहा डीडीडब्ल्यू का उपयोग रिजुनेवेशन थैरेपी में भी किया जा सकता है। इसके उपयोग से व्यक्ति लंबे समय तक जवान रह सकता है। अभी हमारे यहां यह उपलब्ध नहीं है। विदेश से इंपोर्ट करने पर एक बोतल 1200 रुपए में पड़ती है। यह हैवी वॉटर बनाने की प्रक्रिया में ड्यूटेरियम के एक्सट्रेक्शन के बाद बचा पानी होता है।

मुदाली ने बताया कि ड्यूटेरियम से बनाई मेडिसिन कैंसर, अल्जाइमर, मलेरिया जैसी कई बीमारियों में लाभकारी हो सकती हैं। हाइड्रोजन की जगह ड्यूटेरियम से बनी मेडिसिन कई गुना ज्यादा प्रभावी होगी। आरआरकेट के डायरेक्टर नायक ने ओकल कोर्स के प्रतिभागियों को बधाई दी। 8 सप्ताह के इस कोर्स के लिए 15 राज्यों के 40 बच्चों का चयन किया गया था इनमें से सात मध्यप्रदेश के थे।

क्या है हैवी वॉटर

हैवी वॉटर में सामान्य पानी की तुलना में डबल हाइड्रोजन होती है। इसमें हाइड्रोजन का आइसोटोप ड्यूटोरियम पाया जाता है। ड्यूटोरियम की उपस्थिति के कारण इस पानी में बड़ी संख्या में न्यूक्लियर गुण आ जाते हैं, जिसका उपयोग परमाणु हथियार तक बनाने में होता है। हैवी वॉटर में से जब ड्यूटेरियम को निकाल दिया जाता है तो यह ड्यूटेरियम डिप्लीटेड वॉटर बन जाता है, जिसका उपयोग कैंसर के उपचार में किया जाता है।

अब देश में ही बनेगा एंटी एजिंग और एंटी कैंसर वॉटर

हैवी वॉटर बोर्ड के चीफ एग्जीक्यूटिव यू कमाची ने पत्रिका से खास चर्चा में कही

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर • कैंसर सेल को बढ़ने से रोकने या फिर चेहरे पर झुर्रिया होने से बचाने के लिए महंगे एनर्जी ड्रीक्स से मुक्ति मिलेगी। देश में पहली बार परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत आने वाली हैवी वॉटर बॉडी स्वदेशी तकनीक से एंटी एजिंग और एंटी कैंसर वॉटर तैयार करेगा।

जानकारी देते हुए हैवी वॉटर बोर्ड के चीफ एग्जीक्यूटिव यू कमाची ने बताया कि हैवी वॉटर तैयार करने के लिए पानी से डुटेरियम नामक तत्व निकाला जाता है। इस हैवी वॉटर को परमाणु संयंत्रों में इस्तेमाल किया जाता है। शेष बचे पानी को डुटेरियम डिपलीटेड वॉटर (डीडीडब्ल्यू) कहते हैं। ये पानी एंटी एजिंग और कैंसर सेल्स को बढ़ने से रोकने में काफी मदद करता है। लगातार ये पानी पीने से कैंसर पेशेंट्स के शरीर में कैंसर सेल वाले क्षेत्र में डीएनए का सुधार होता है। इससे कम पॉवर की दवाइयां भी ज्यादा असरदार हो जाती है और लंबे समय तक फायदा होता है। फिलहाल इस तरह का पानी विदेशी कंपनियां हमारे देश में बेच रही हैं। लेकिन अब हम भी इसे बाजार में लाएंगे। इसके लिए कुछ कंपनियों ने हमसे संपर्क किया है। बात चल रही है। इसके अलावा कैंसर की दवाओं को ज्यादा असरदार बनाने के लिए भी डुटेरियम का इस्तेमाल होता है। ये दवाएं कम डोज में ज्यादा बेहतर काम करेंगी। साथ ही साइड इफेक्ट भी कम होगा।

यह है डीडीडब्ल्यू

एक लीटर पानी में 150 पीपीएम डुटेरियम रहता है। एक किलो डुटेरियम बनाने के लिए 35 हजार लीटर पानी लगता है। यू कमाची ने बताया, संयंत्रों में हम एक लीटर से पूरा 150 नहीं सिर्फ 30-50 पीपीएम डुटेरियम ही निकालते हैं। शेष 120 पीपीएम वाले रिजेक्टेड पानी को डुटेरियम डिपलीटेड वॉटर (डीडीडब्ल्यू) कहते हैं। इसके एंटी एजिंग और एंटी कैंसर इफेक्ट काफी असरदार होते हैं।

15 राज्यों के 40 स्टूडेंट्स ने पूरा किया कोर्स

आरआरकैट में शुक्रवार को चौथा ओरिएंटेशन कोर्स ऑन एक्सलेरेटर्स, लेजर्स एंड रिलेटेड साइंस एंड टेक्नोलॉजी के समापन समारोह में यू कमाची मुख्य अतिथि थे। कोर्स में शामिल हुए 15 राज्यों के 40 स्टूडेंट्स को सर्टिफिकेट बांटे। इस दौरान कैट डायरेक्टर डॉ पीए नाइक, पब्लिक आउटरिच कमिटी के चेयरमैन पुरुषोत्तम श्रीवास्तव, संजय चौकसे आदि साइंटिस्ट, प्रोफेसर और स्टूडेंट्स मौजूद थे।

पत्रिका Sat, 14 July 2018
epaper.patrika.com/c/30408578